# शैक्षिक नवाचार के उद्देश्य

1- शिक्षा मे नवाचार के माध्यम से अधिगम प्रक्रिया को सरल बनाया जाता हैं।

2- बालको का सर्वांगीण विकास किया जाता है। जिससे बालको की अन्तर्निहित शक्तियों का विकास हो सके।

3- छात्रों और शिक्षकों का नवीनतम वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास हो सके, जिससे वो अंधविश्वास और कुरीतियों से दूर रहे।

4- शिक्षा में शिक्षण नवाचारों के प्रयोग का मुख्य उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था को विश्व स्तरीय प्रतिस्पर्धा में आगे पहुंचाना है, जिससे कि संसार में हमारी शिक्षा प्रणाली आदर्श रूप में जाने जा सके।

# शैक्षिक नवाचार की आवश्यकता

1- कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए

Scanned with CamScanner

2- तीव्र आर्थिक विकास हेतु
3- जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु।
4- मानव संसाधन का विकास करने हेतु।
5- सामाजिक परिवर्तन के अनुसार शिक्षा
6- रोजगार के अवसरों में वृद्धि हेतु।

## शैक्षिक नवाचार के क्षेत्र -

1- शिक्षण अधिगम
2- मूल्यांकन
3- पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप
4- सामुदायिक सहभागिता
5- विद्यालय प्रबन्धन
6- विषयगत कक्षा शिक्षण एवं समसामयिक दृष्टिकोण

## नवाचारों के प्रकार Kinds Of Innovations

नवाचार को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है।

(क) — समस्या समाधान सम्बन्धी नवाचार (Innovation Relating to Problem Solving) — जब किसी दृष्टि से अपेक्षित परिवर्तन के लिए अथवा किसी समस्या

Scanned with CamScanner

का समाधान करने के लिए किसी नवाचार का चयन किया जाता है, तो ऐसे नवाचार को समस्या समाधान सम्बन्धी नवाचार कहा जाता है।

(ख) - सामाजिक अन्त: क्रिया सम्बन्धी नवाचार (Innovation in Relation to Social Interaction) — जब अपने ही विद्यालय के किसी शिक्षक अथवा किसी अन्य विद्यालय के शिक्षक से नवाचार सम्बन्धी कोई जानकारी प्राप्त होती है, तो इस प्रकार के नवाचार को सामाजिक अन्त:क्रिया सम्बन्धी नवाचार कहा जा सकता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में कोई भी नवाचार विभिन्न व्यक्तियों एवं विभिन्न संस्थाओं की परस्पर अन्त: क्रिया के द्वारा विकसित होता है।

## नवाचार का चयन
## Selection of Innovation

नवाचार को चुनने के लिए दो विधियों का प्रयोग किया जाता है -

(i) - अधिकारी नवाचार चयन विधि — इस विधि में नवाचार चयन का निर्णय विद्यालय या संस्था का अधिकारी करता है और अन्य लोग,

Scanned with CamScanner

अधिकारी के निर्णय को स्वीकार करने के लिए बाध्य होता है।

(ii) - सामूहिक नवाचार चयन विधि :- जब विद्यालय के सभी अध्यापक तथा शिक्षण संस्था के सभी सदस्य आपस में मिलकर परस्पर विचार - विमर्श करके नवाचार का चयन करते है, तो उसे सामूहिक नवाचार चयन कहते है।

## नवाचार - अपनाने की प्रक्रिया

## INNOVATION - PROCESS OF ADOPTATION

नवाचार अपनाने की प्रक्रिया में निम्न सोपानो को पार करना होता है।—

1 जानकारी (Knowledge) — सर्वप्रथम अध्यापक को शिक्षा के कार्यकर्ता को अथवा विद्यार्थी को नवाचार के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करनी होगी जैसे -
- नवाचार से परिचय
- नवाचार को प्रयोग मे लाने की विधि का ज्ञान

2 - जिज्ञासा :- नवाचार की जानकारी प्राप्त करने वाले के मन में नवाचार के बारे मे

Scanned with CamScanner

> Date ☐ Mon ☐ Tue ☐ Wed ☐ Thu ☐ Fri ☐ Sat ☐ Sun

और जानने की जिज्ञासा हो। संस्थान के प्रधान का यह उत्तरदायित्व है कि वह सम्बन्धित कर्मचारी को प्रोत्साहन देता रहे, ताकि संस्था के लोगो मे नवाचार के बारे मे और जानने की लालसा बनी रहे।

3- परीक्षण (Trial) — परीक्षण से अभिप्राय है - नवाचार की व्यावहारिकता की जाँच। इसमे यह देखा जाता है कि नवाचार को सम्बन्धित विद्यालय मे कहा तक अमल मे लाया जा सकता है। प्रधानाध्यापक को सभी शिक्षको और कार्मिकर्ताओ की बैठक बुलानी चाहिए और अवलोकन करना चाहिए।

4- मूल्यांकन (Evaluation) — यहां नवाचार चलाने वाला व्यक्ति, यह लेखा-जोखा करता है कि उसने क्या खोया है और क्या पाया है अर्थात उसे क्या लाभ या हानि हुई है। इस पथ पर चलने में उसके सम्मुख कौन कौन सी समस्याए आयी और उसने इन समस्याओ का समाधान किस प्रकार किया। इस प्रकार का मूल्यांकन व्यावहारिक और मानसिक दोनो ही स्तरो पर हो सकता है।

Scanned with CamScanner